रंगमहल पहेली भोम

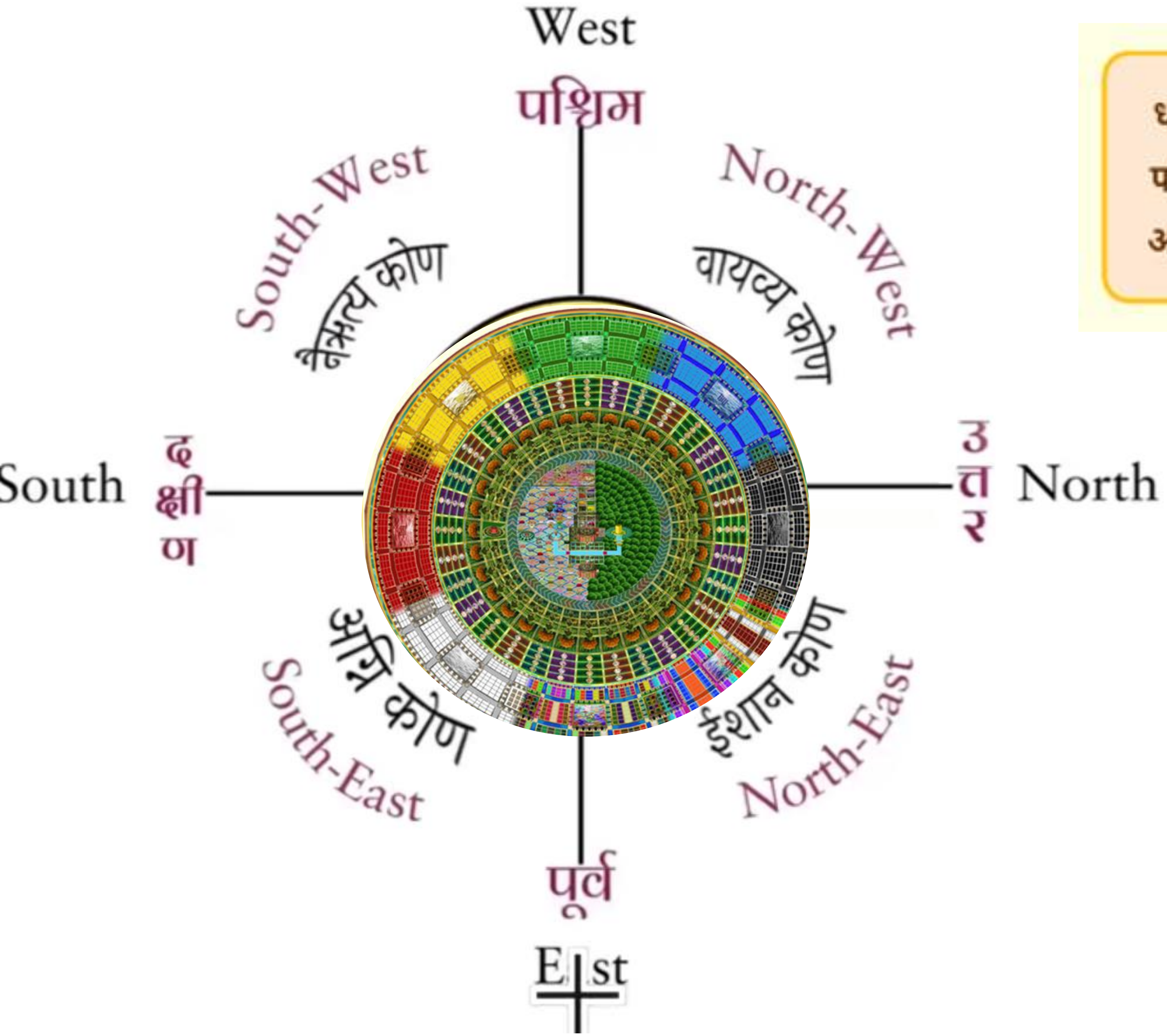

धाम तालाब कुंजवन सोहे, मानिक नेहरें वन की जोहे।
पश्चिम चौगान बड़ोवन कहिए, पुखराजी जमुना जी लहिए।
आठों सागर आठ जिमी ये, पच्चीस पक्ष हैं धाम धनी के।।

नूर नीर खीर दधि सागर , घृत मधु इक ठौर ।
रस सर्वरस सागर , बिन मोमिन ना पावे और ।। परि. 43/60

रंगमहल पहेली भोम

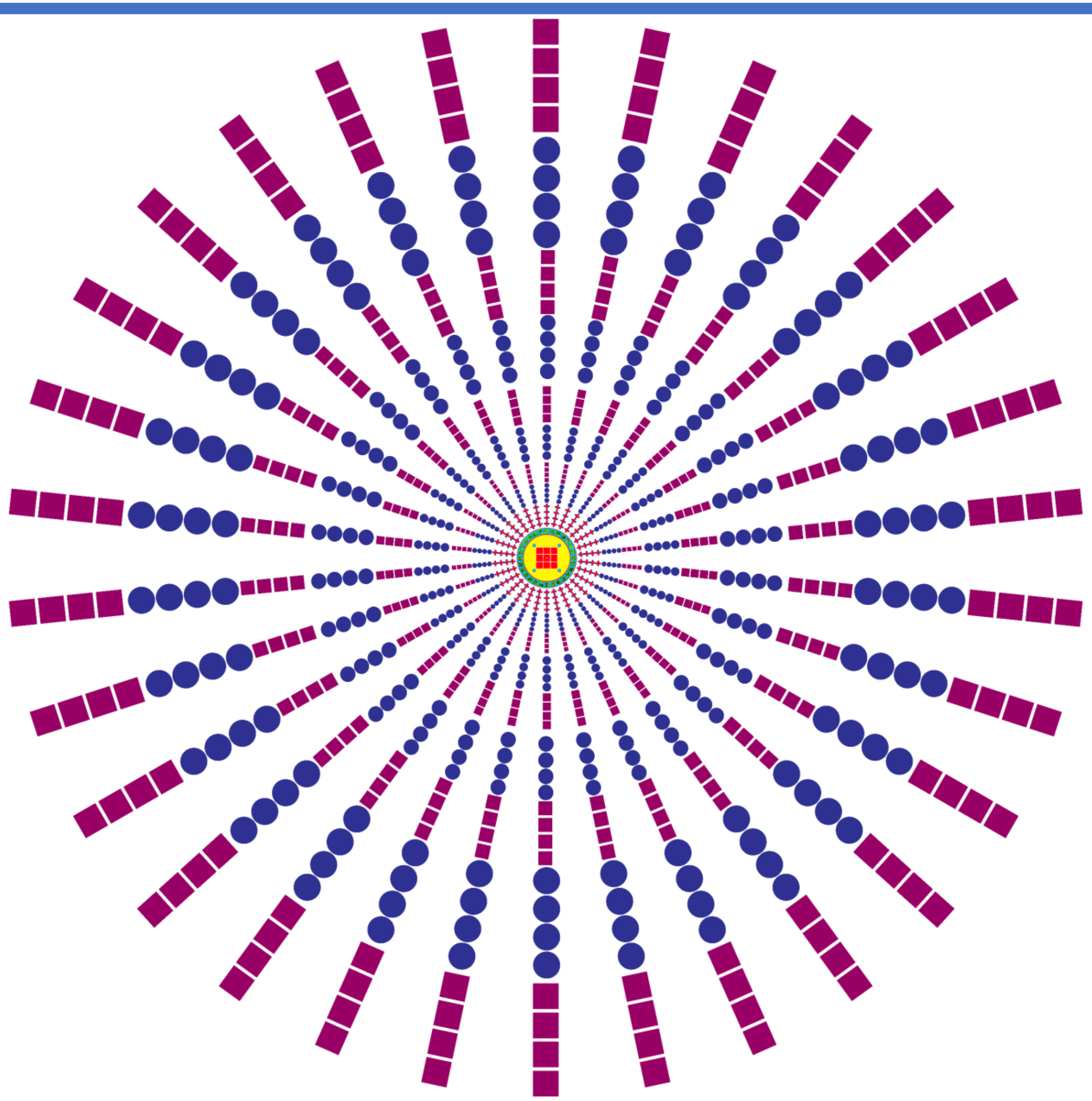

रंगमहल पहेली भोम

- धाम दरवाजा
- 9 फिलावा
- पंच महोल
- नोंं चोक
- 28 थंभ का चोक
- रसोई की हवेली
- मूलमिलवा
- मूलमिलवा राज श्यामजी श्रृंगार

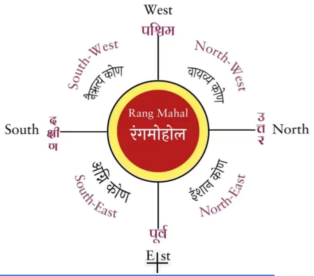

रंगमहल पहेली भोम - धाम दरवाजा & धाम चबूतरा सोभा

विडिओ : https://youtu.be/L2bc8q2_F08

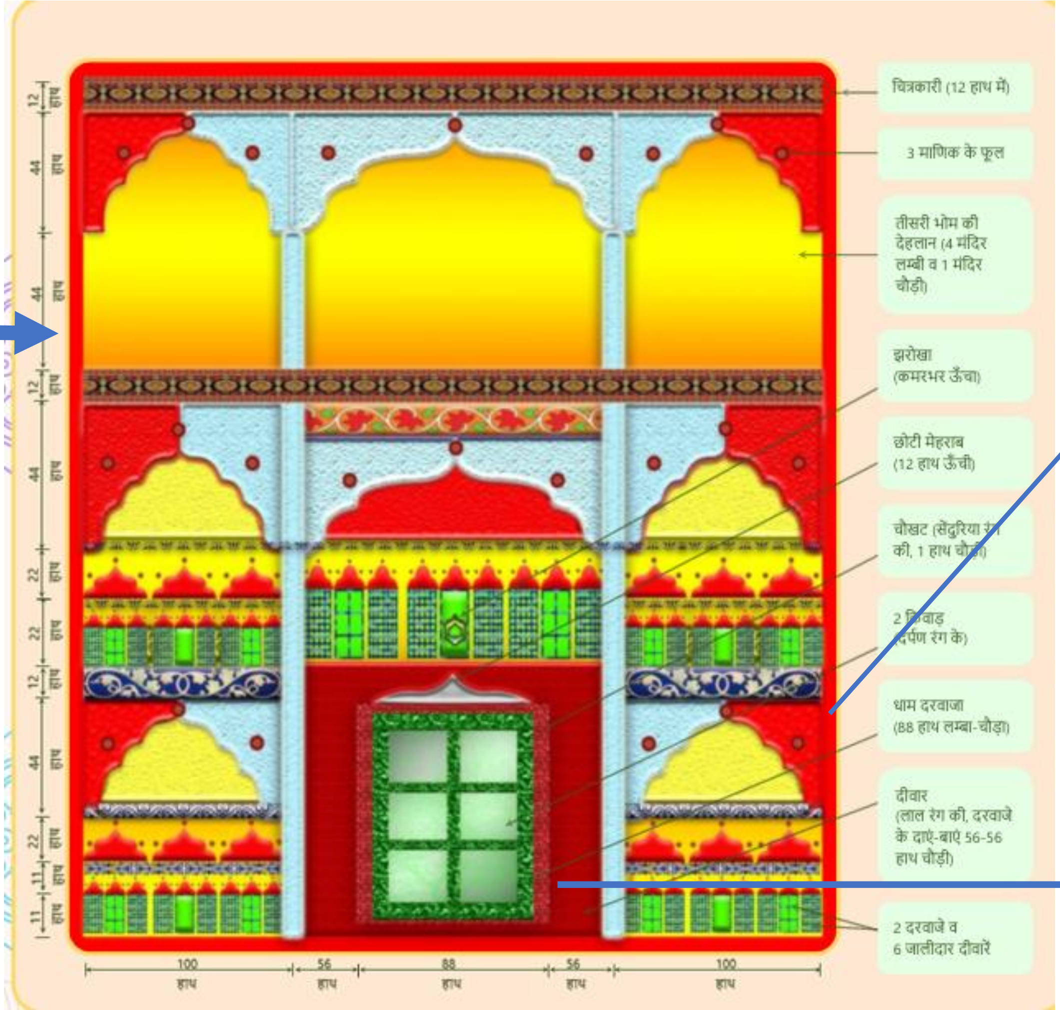

दोऊ कमाड़ रंग दरपन, माहें झलकत सामी बन ।
नंग बेनी पर देत देखाई, ए सोभा कही न जाई ।।

रंगमहल पहेली भोम - outline

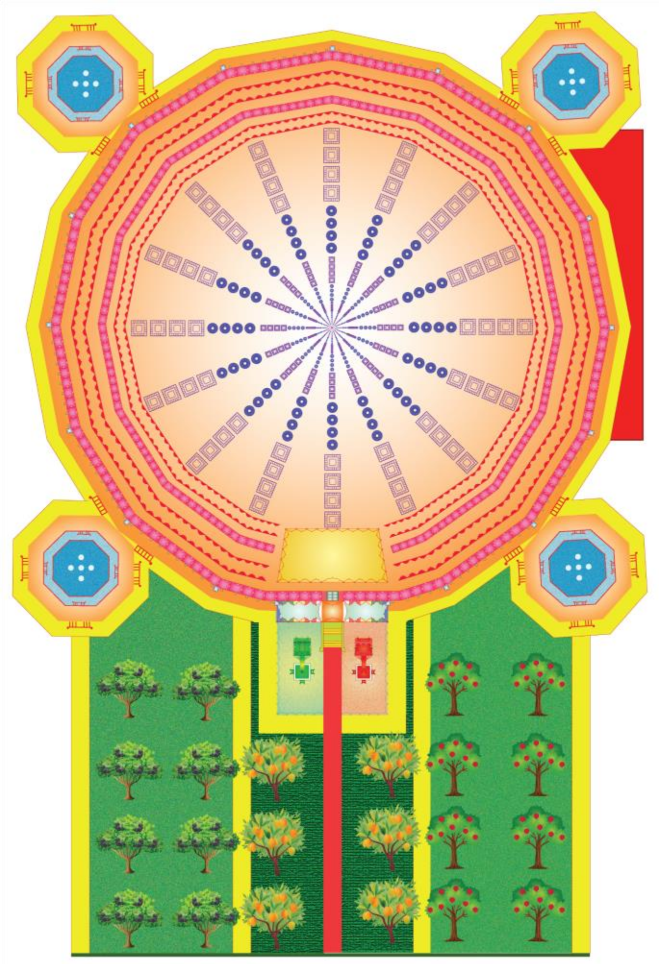

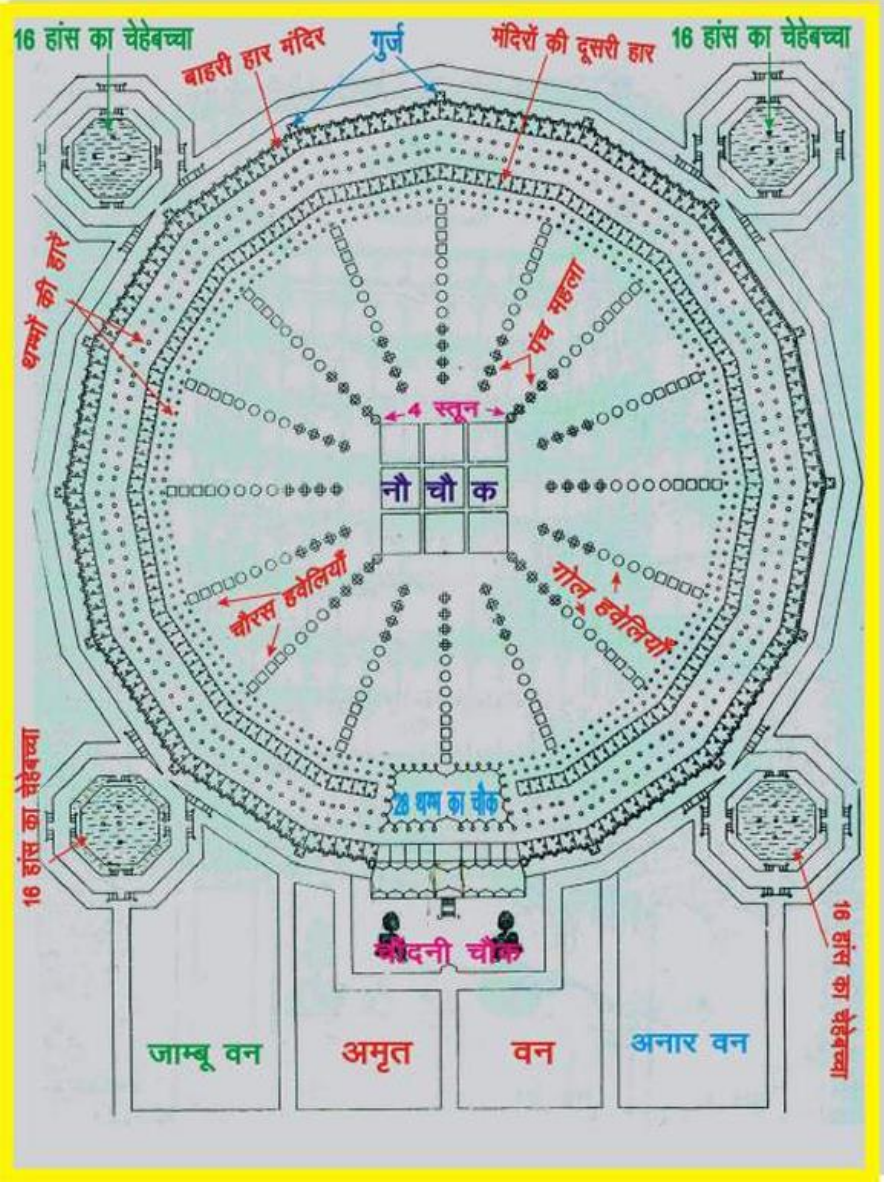

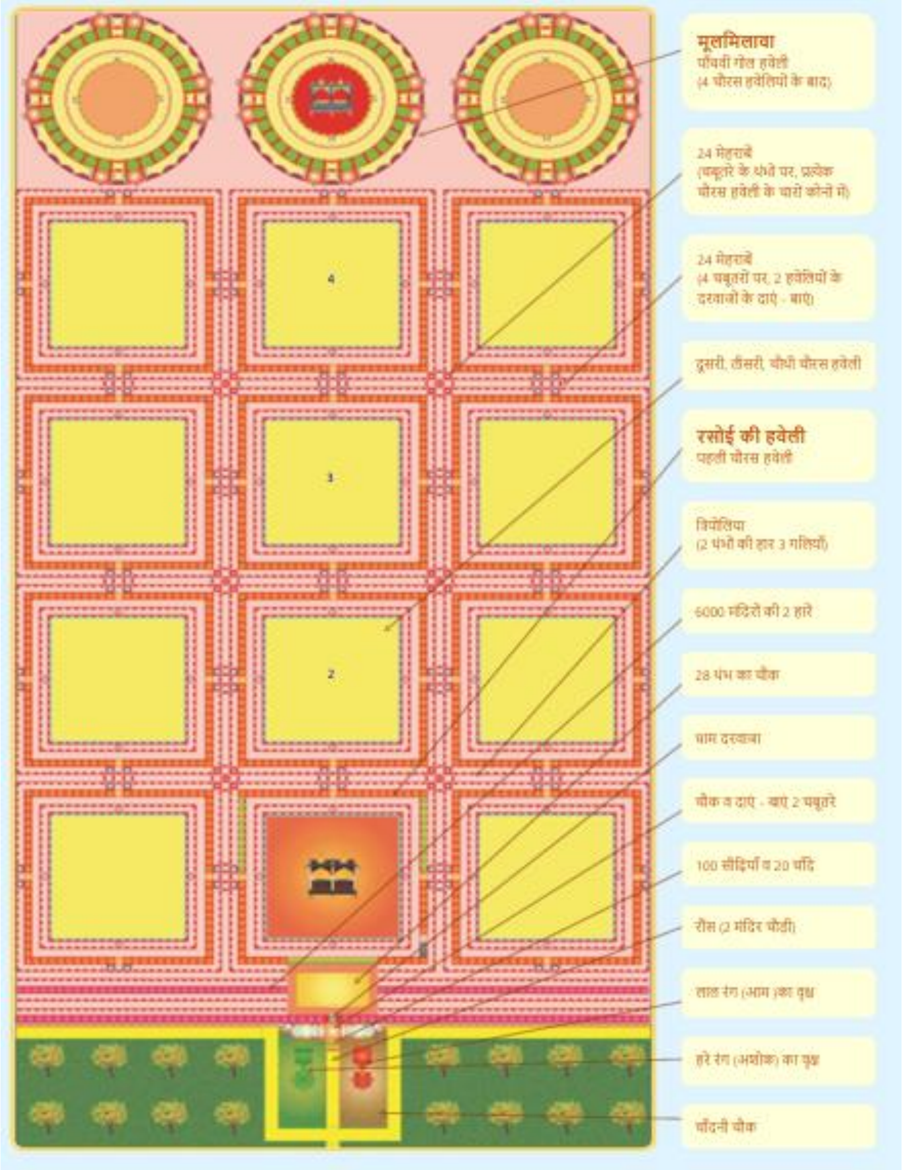

रंगमहल पहेली भोम – 9 फिलावा

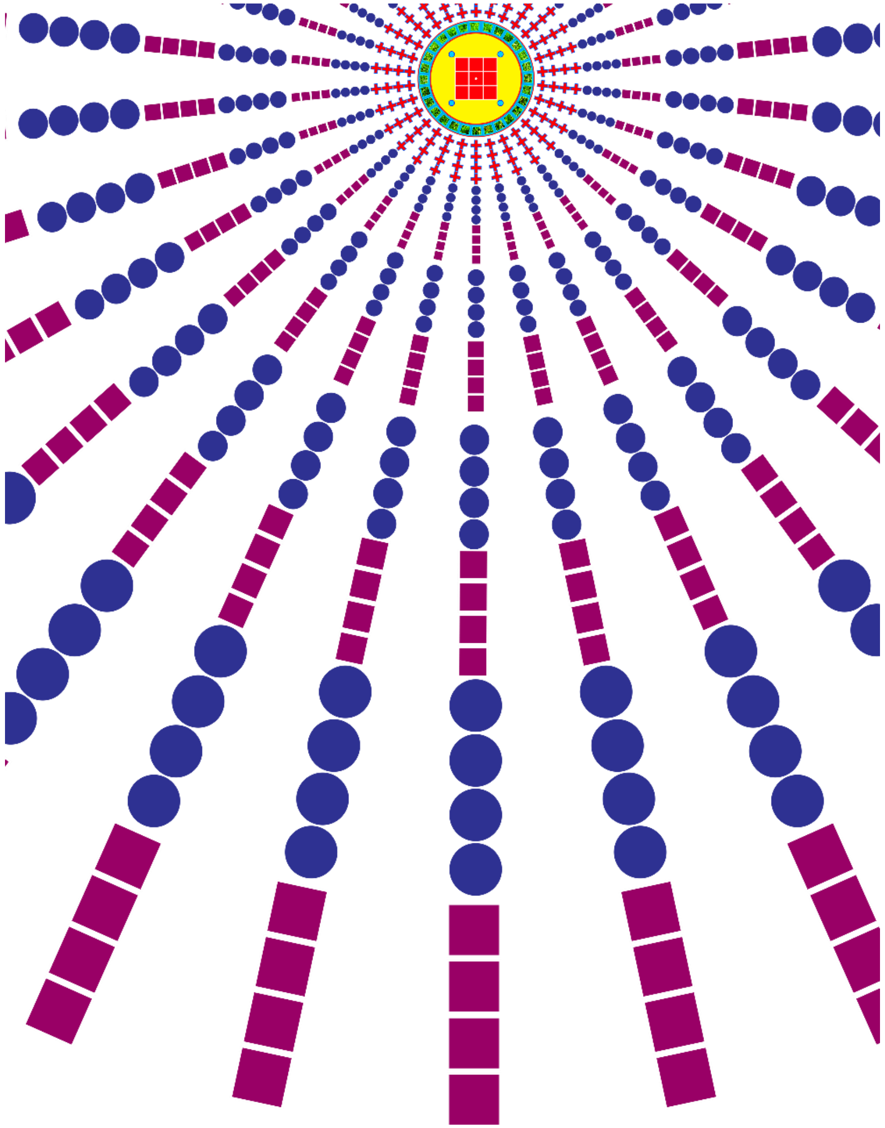

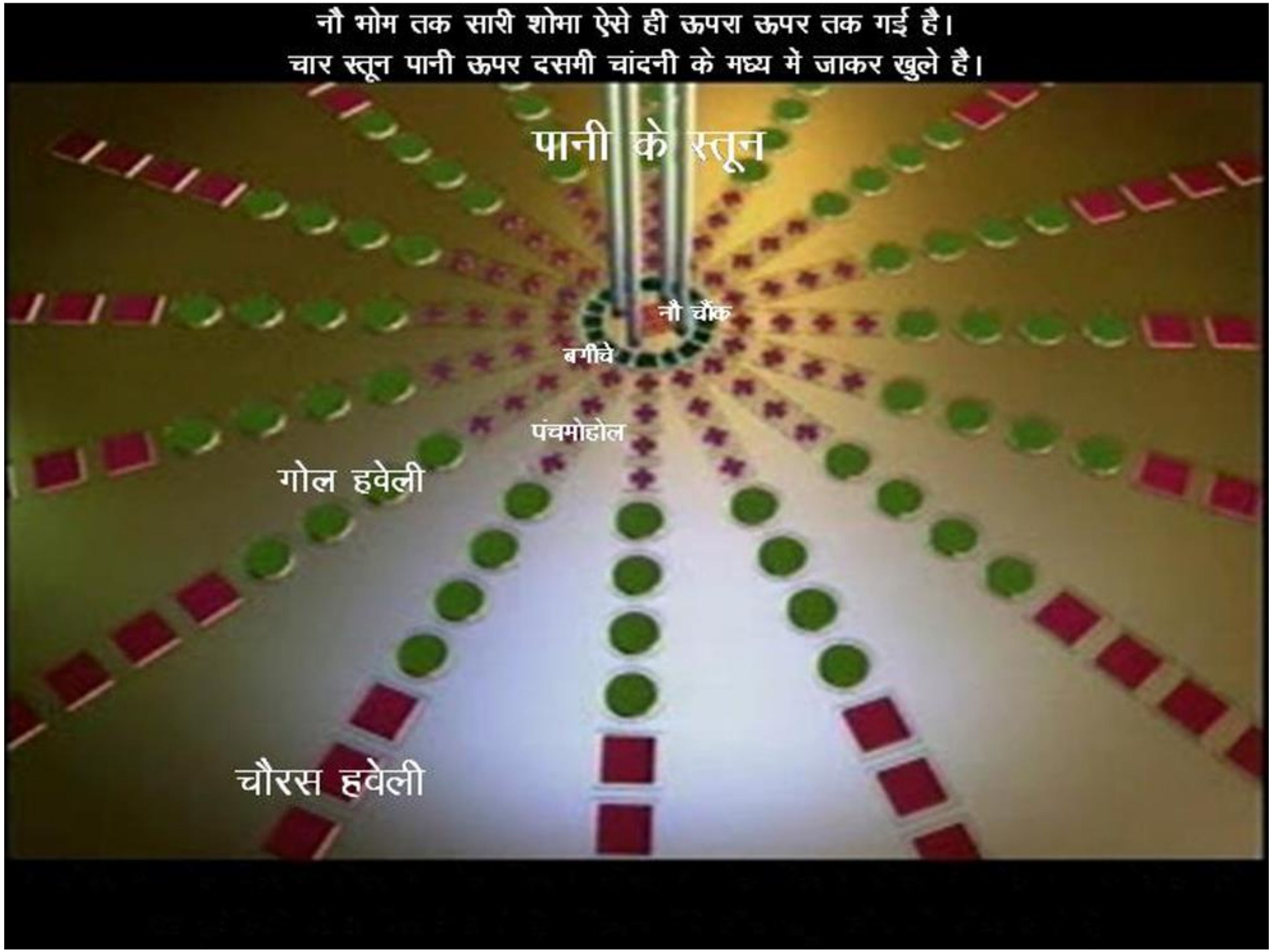

रंगमहल पहेली भोम – 9 फिलावा

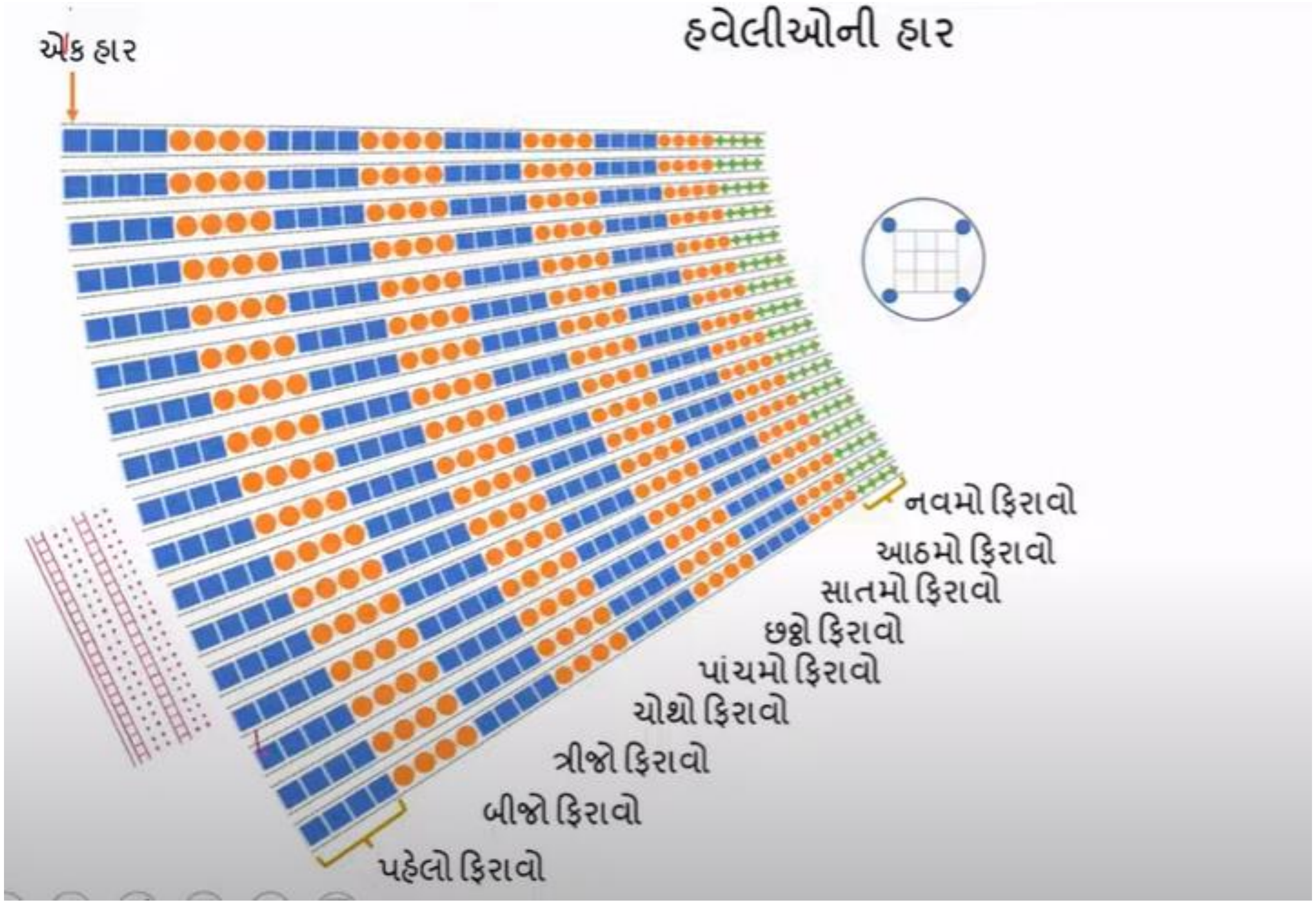

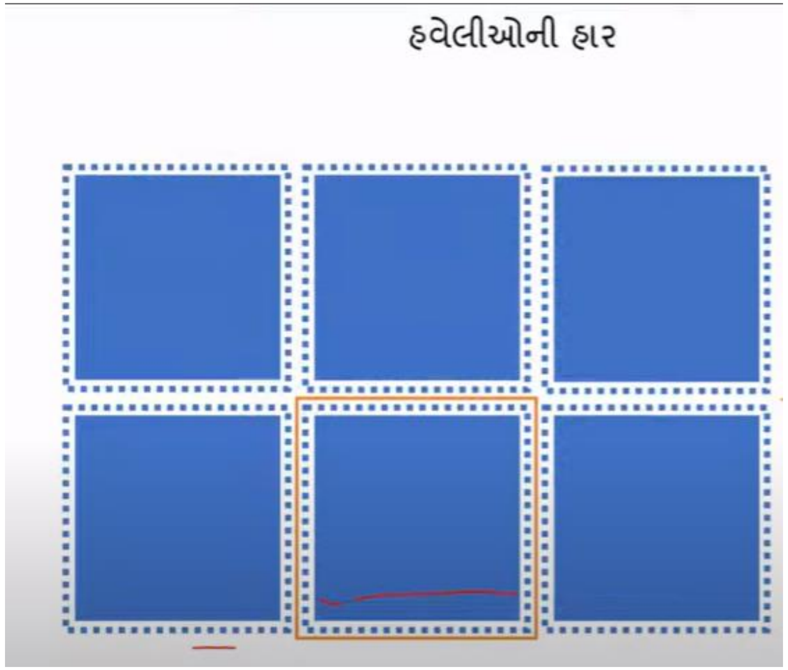

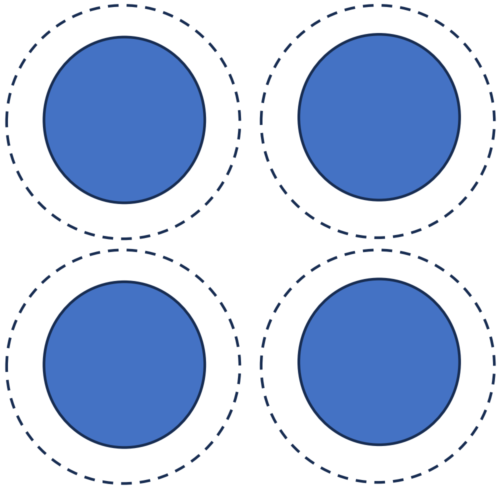

रंगमहल पहेली भोम – 9 फिलावा

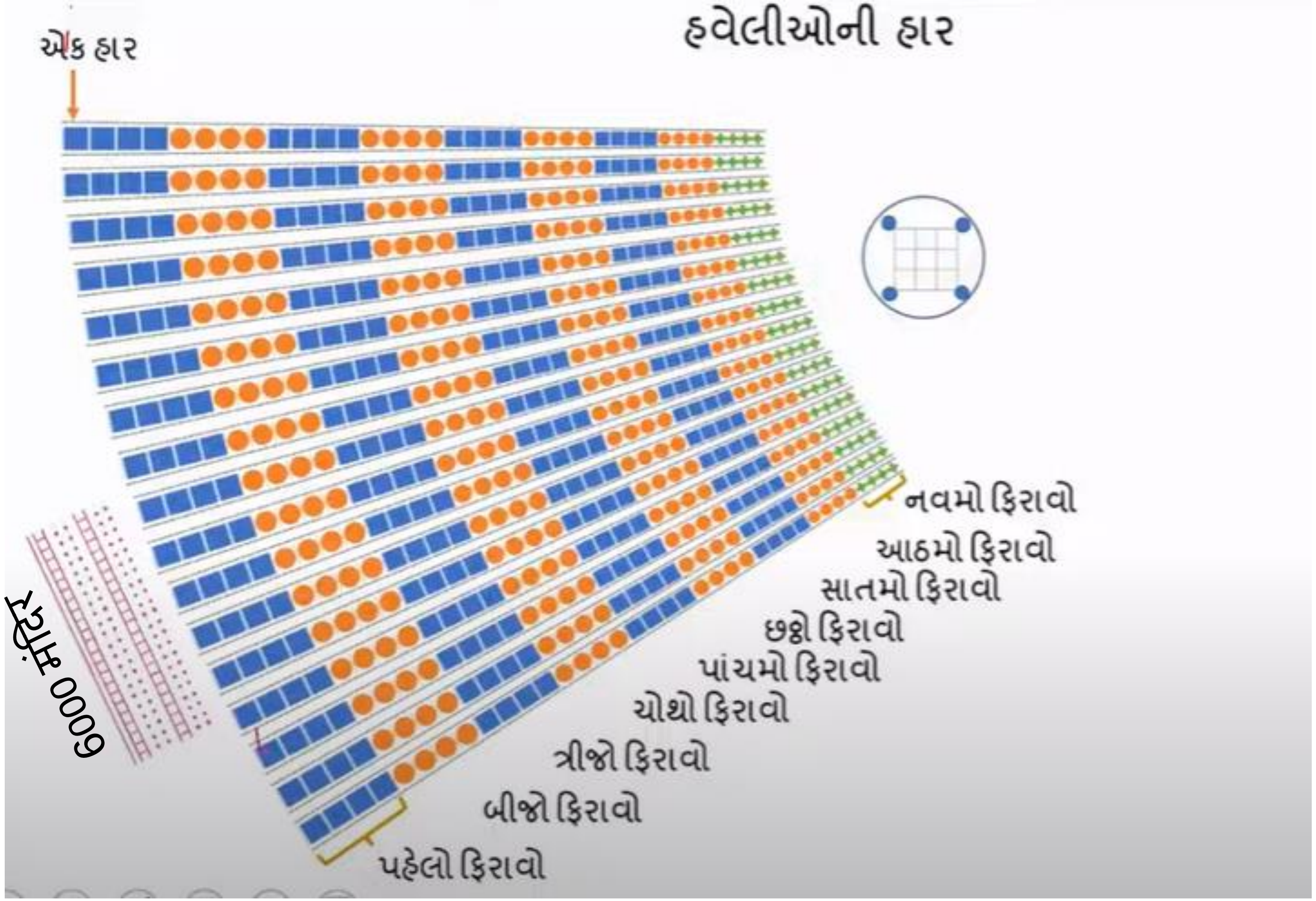

હવેલીઓની હાર

ફિરાવા	હવેલી નું માપ (મંદિર)
પહેલો ફિરાવો (ચોરસ હવેલી)	23
બીજો ફિરાવો (ગોળ હવેલી)	21.25
ત્રીજો ફિરાવો (ચોરસ હવેલી)	19
ચોથો ફિરાવો (ગોળ હવેલી)	18.5
પાંચમો ફિરાવો (ચોરસ હવેલી)	15
છઠ્ઠો ફિરાવો (ગોળ હવેલી)	14.5
સાતમો ફિરાવો (ચોરસ હવેલી)	11
આઠમો ફિરાવો (ગોળ હવેલી)	10.5
નવમો ફિરાવો (પંચમહેલ)	3

मंदिर (Total)	6000
मंदिर (Each Side)	1500
हाँस/पहल (Total)	201 (1 हाँस/पहल = 30 मंदिर)
हाँस (Each Side)	51 Front 50 (All other side)
Diameter	2000 मंदिर 1000 मंदिर From Dham Chabutra to Center of Rang Mohal.
Total फिलावा	231 हार 9 फिलावा in each हार

इत हक हादी रूहें खेलत , नूर झलके हवेली दीवाल ।
नकस कटाव चित्रामन , रूहें रमती रहें खुशाल ।। बड़ी वृत्त 3/26

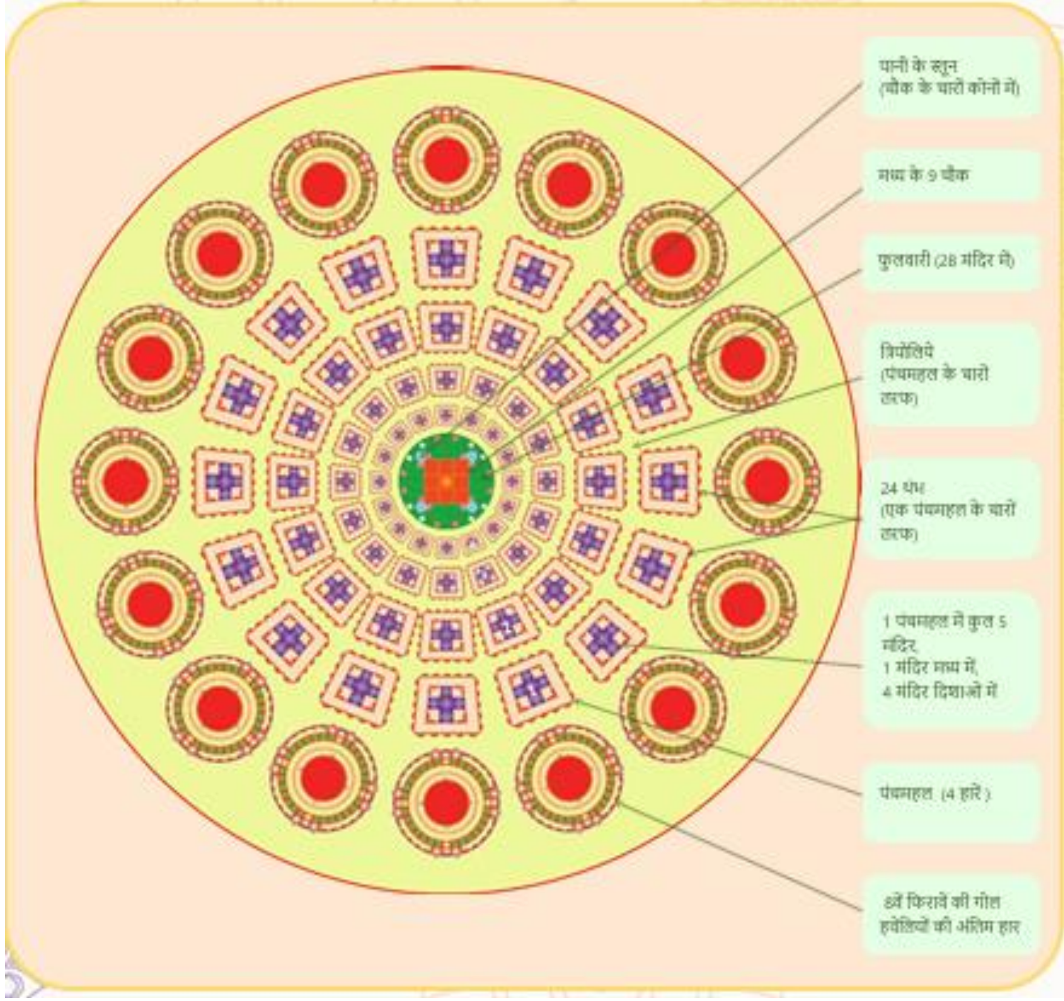

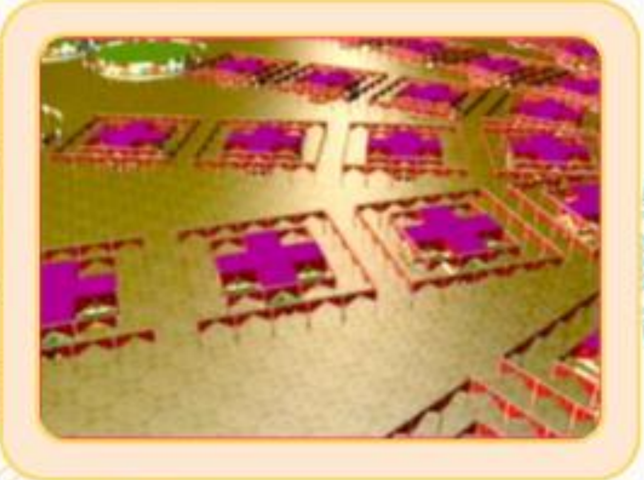

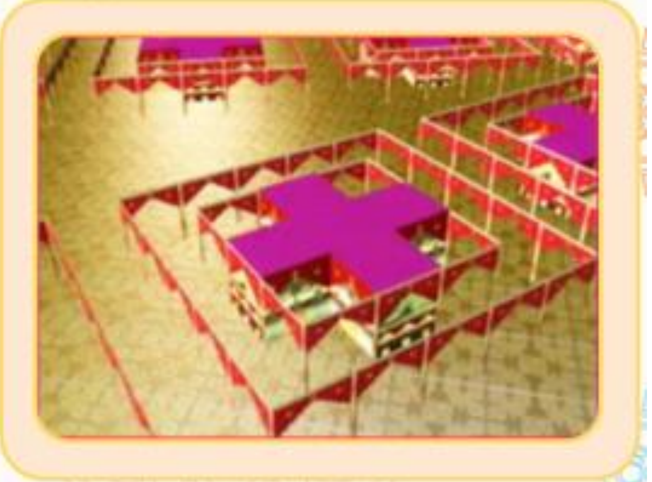

रंगमहल पहेली भोम - नौं चोक

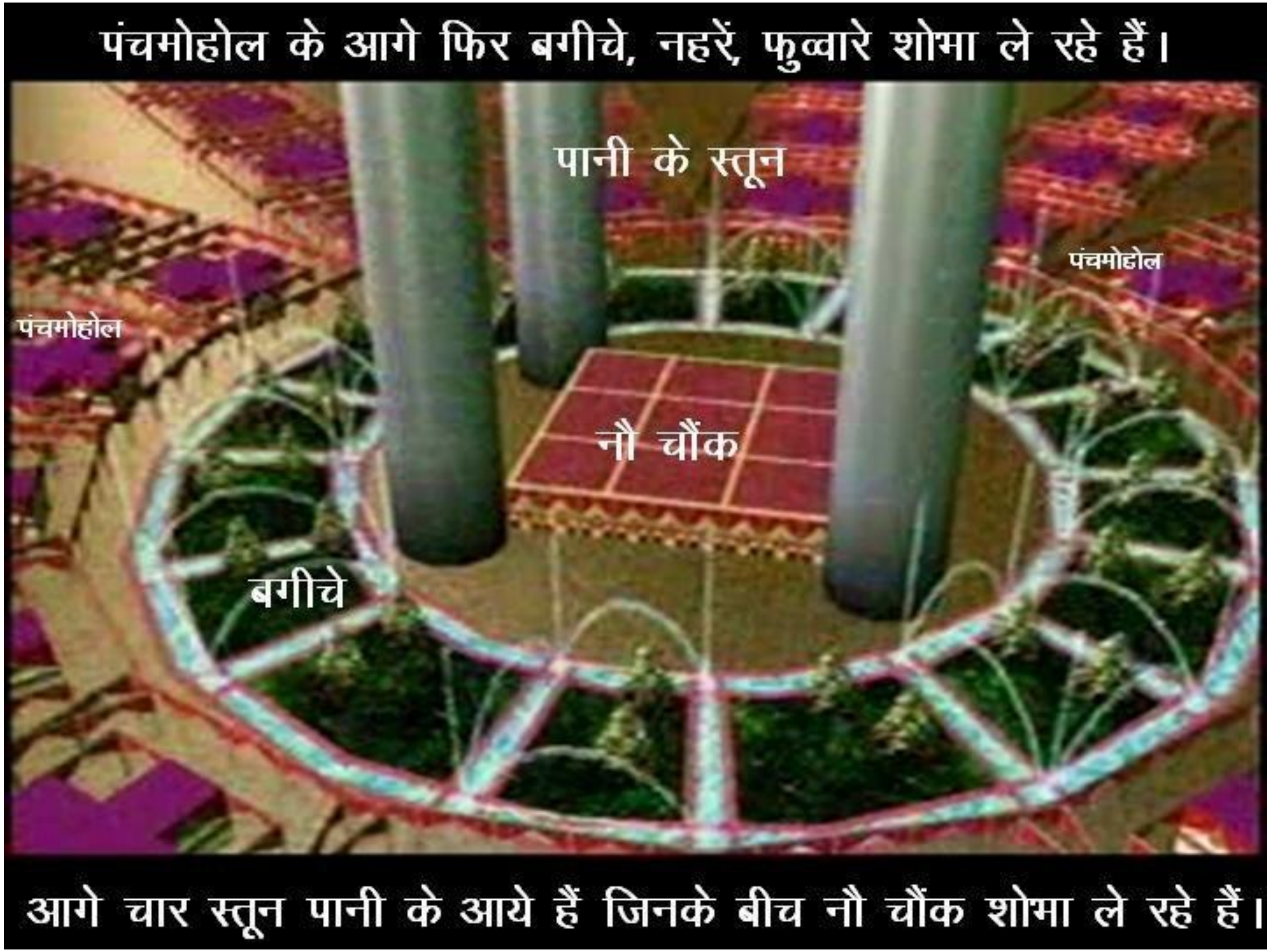

रंगमहल पहेली भोम – 28 थंभ का चोक

विडिओ: https://youtu.be/jkbZaiHfw0U

बड़ा चौक शोभा लेत है , बड़े दरवाजे अंदर ।
बड़ी बैठक इत गिरोह की , आगूं रसोई के मंदिर ।।   परि. 31/1

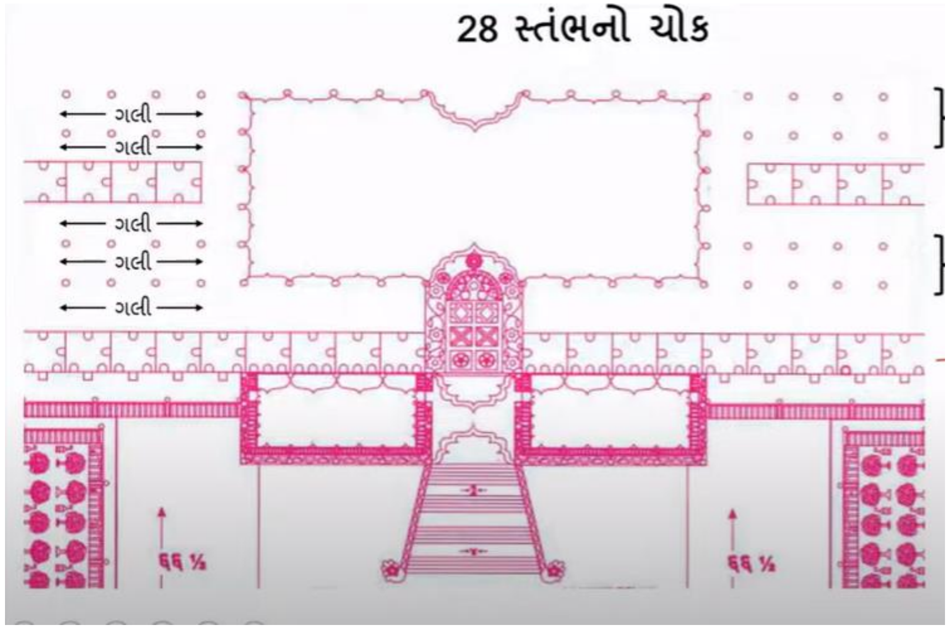

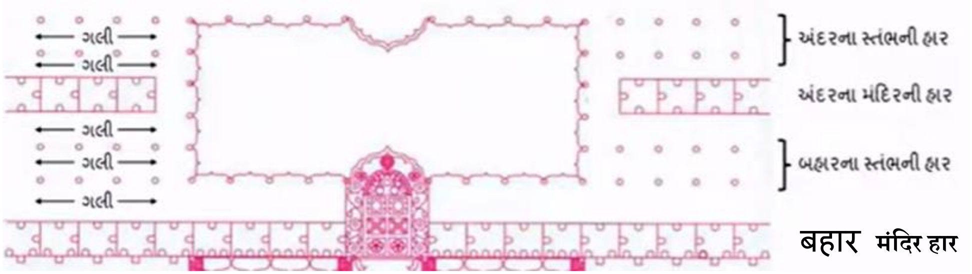

बहार मंदिर हार

रंगमहल पहेली भोम - 28 थंभ का चोक

विडिओ: https://youtu.be/jkbZaiHfw0U

एक चौक छोटा दरवाजे का, लम्बाई बारे की होए ।
चौड़ाई ताकी सात की, अट्ठाईस थम्भ कहे सोए ।।३६।।

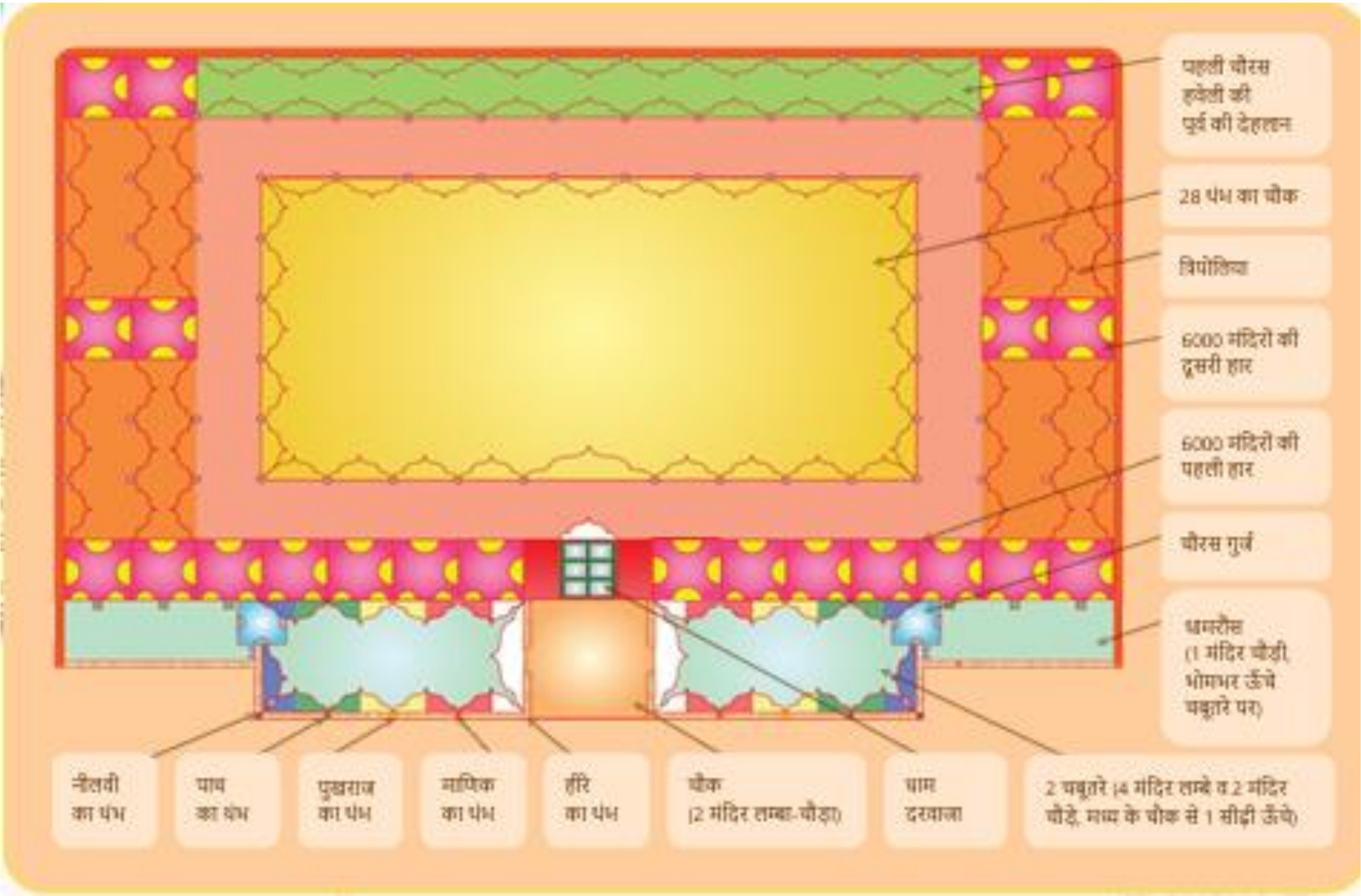

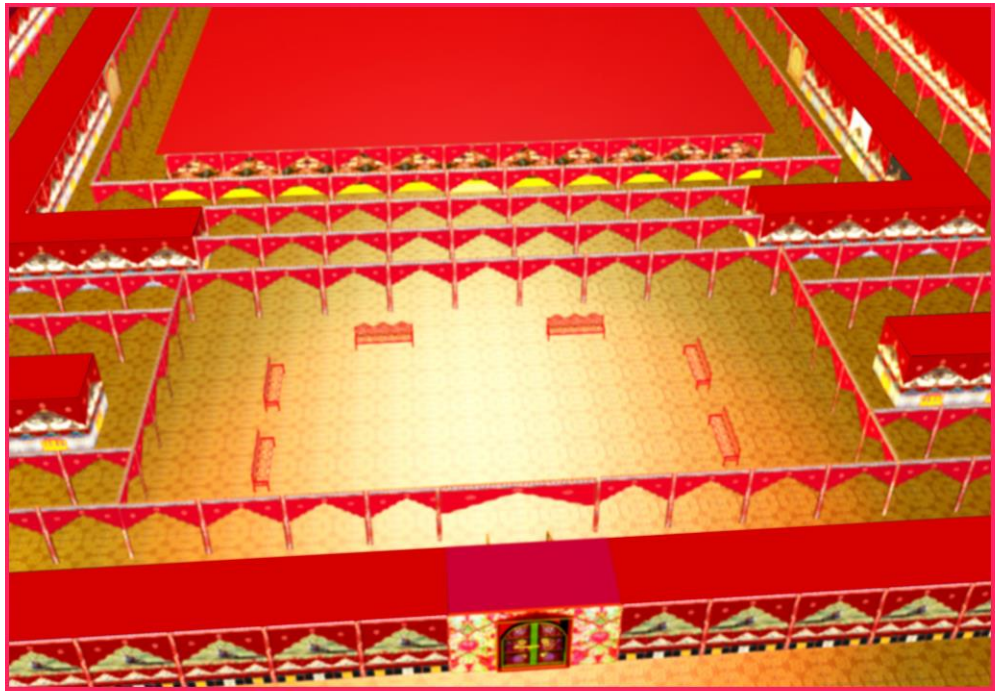

रंगमहल रंगमहल पहेली भोम - 28 थंभ का चोक

विडिओ: https://youtu.be/jkbZaiHfw0U

रंगमहल पहेली भोम - रसोई की हवेली

विडिओ: https://youtu.be/jkbZaiHfw0U

कहूं रसोई के चौक की, देखो विवेक इस ठाम ।
अस्सी मंदिर की बाखर, जित दस मंदिर सेत स्याम ।।२५।।

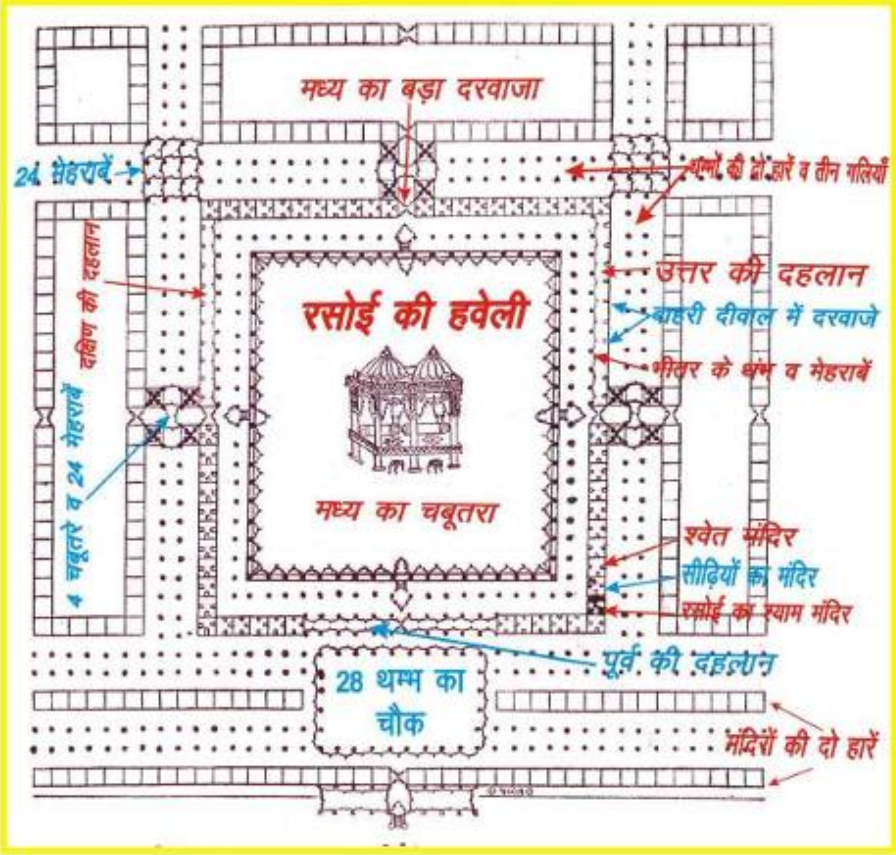

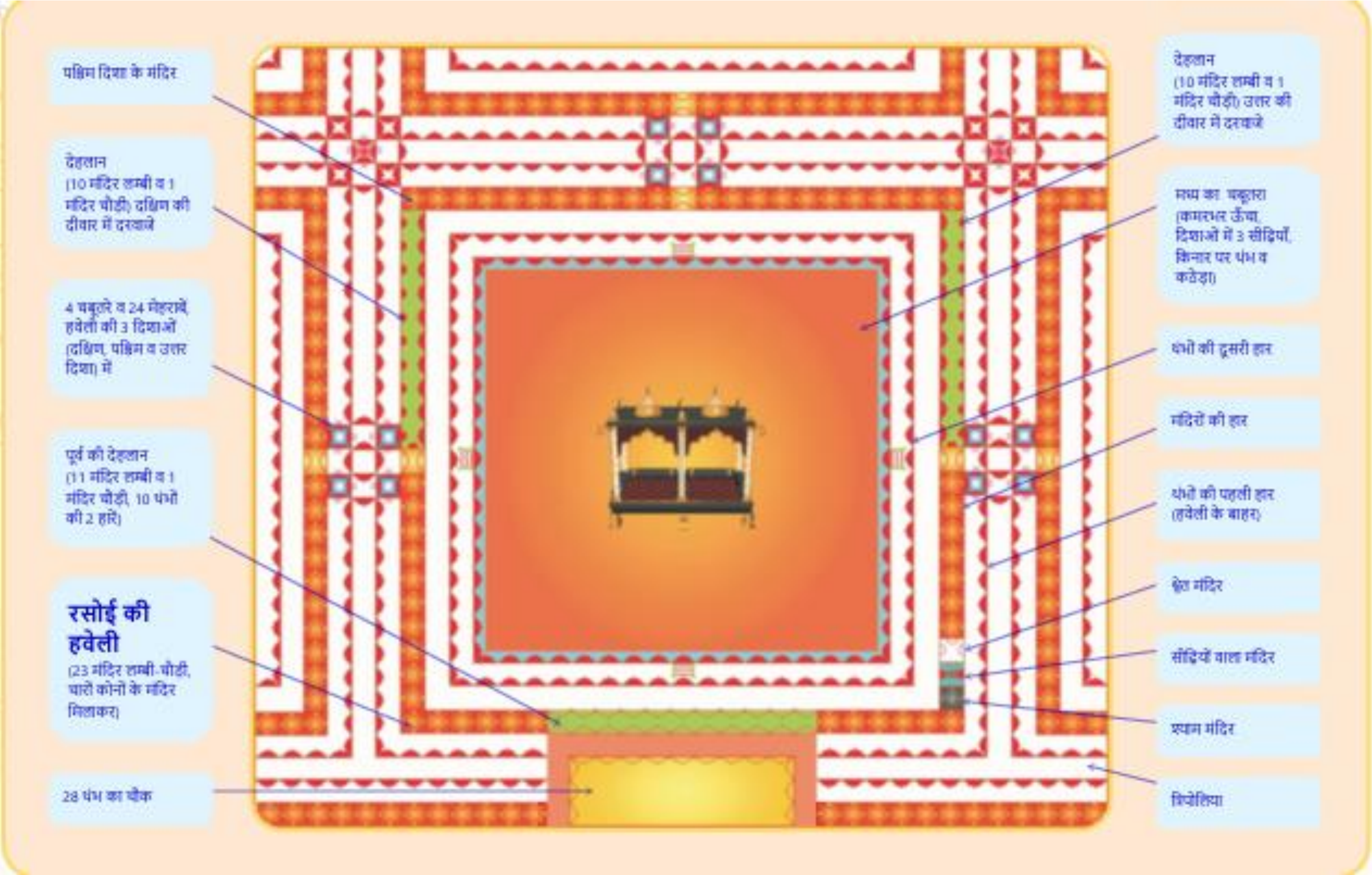

रंगमहल पहेली भोम - रसोई की हवेली

विडिओ: https://youtu.be/jkbZaiHfw0U

पैठते इन चौक में, बड़ा कह्या जो द्वार ।
पांच बाए पांच दाहिने, दस द्वार मेहेराबी द्वार सुमार ।।२७।।
और कह्या ऐसी हार में, दस मंदिर की देहलान ।
तहां मेहेराबी थम्भ हैं, दस द्वार मेहेराब पेहेचान ।।३०।।
पैठते बाँई तरफ दस, मंदिर सामे दस मंदिर ।
दस देहलान सामे देहलान द्वार, आओ मोमिन ताके अंदर ।।३१।।

पहली चौरस हवेली के पूर्व में 11 मन्दिर की लम्बी और एक मन्दिर की

चौड़ी देहेलान आने से हवेली का द्वार नहीं आया है बाकि तीनों तरफ द्वार आये हैं

28 थंभ के चौंक को पार कर, एक गली को पार कर फिर

प्रथम भोम की पहली चौरस हवेली की देहेलान शुरु हो जाती है।

पेठत दाहिनी तरफ को, दस मंदिर स्याम सेत ।
ता बीच एक मंदिर भर सीढ़ियां, नूर रोशन झलकत ।।२९।।

बड़ी वृत 14

रंगमहल पहेली भोम - रसोई की हवेली

विडिओ: https://youtu.be/jkbZaiHfw0U

स्याम मंदिर रसोई होत जित , जोड़े सेत मंदिर है तित ।
बन थें फिरें संझा जब , इन मंदिरों आरोगें तब || परि. 3/65

पेठत दाहिनी तरफ को, दस मंदिर स्याम सेत ।
ता बीच एक मंदिर भर सीढ़ियां, नूर रोशन झलकत ।।२९।।

बड़ी वृत 14

विडिओ: https://youtu.be/jkbZaiHfw0U

शाम भोजन आरोंगन

स्याम मंदिर रसोई होत जित , जोड़े सेत मंदिर है तित ।
बन थें फिरें संझा जब , इन मंदिरों आरोगें तब ।। परि. 3/65

जब इन चौक बिछोने बैठत, हक़ हादी एक ठौर ।
गृद घेर रूहें बैठहीं, ए सुख शोभा अति ज़ोर ।।४२।।

जब इत आरोगन को, बैठत हक़ सुभान ।
बातां करे चित चाहिती, सो मोमिन दिल पेहेचान ।।४३।।

रूह रूह सों मिलके, ढिग बातों पावत सुख ।
कोई श्रवना देत हैं, निरखे नूर जमाल का मुख ।।४४।।

इत सुख आरोगन के, कई भांतो उपजत ।
हेत कर कर प्रीसत, सुख देत कई उत इत ।।४७।।

अधबीच आरोगते, मिठी बातां करें बनाए ।
ढिग बैठी मवसर पावत, देख सुख पावत सब ताए ।।४८।।

बड़ी वृत 14

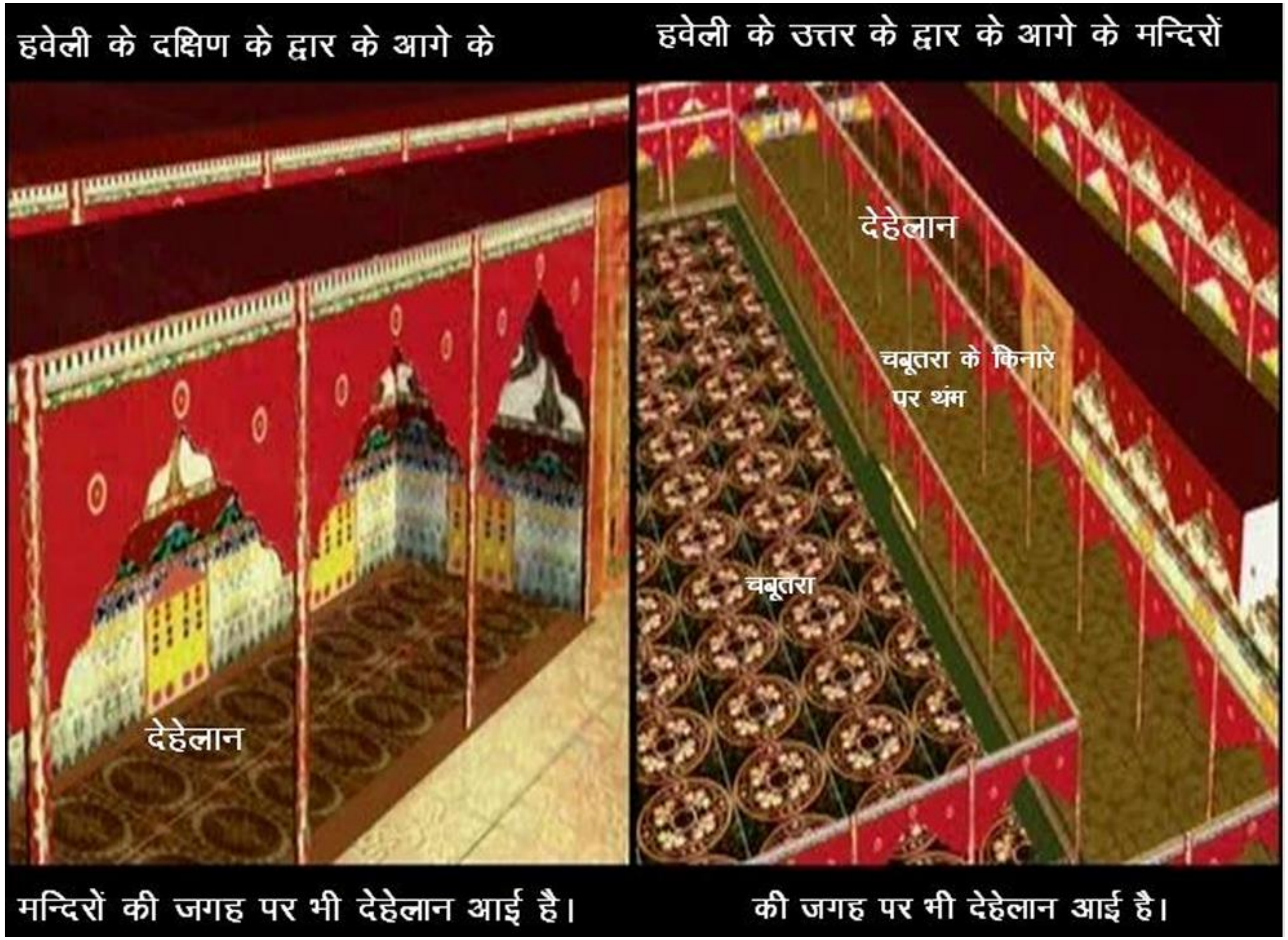

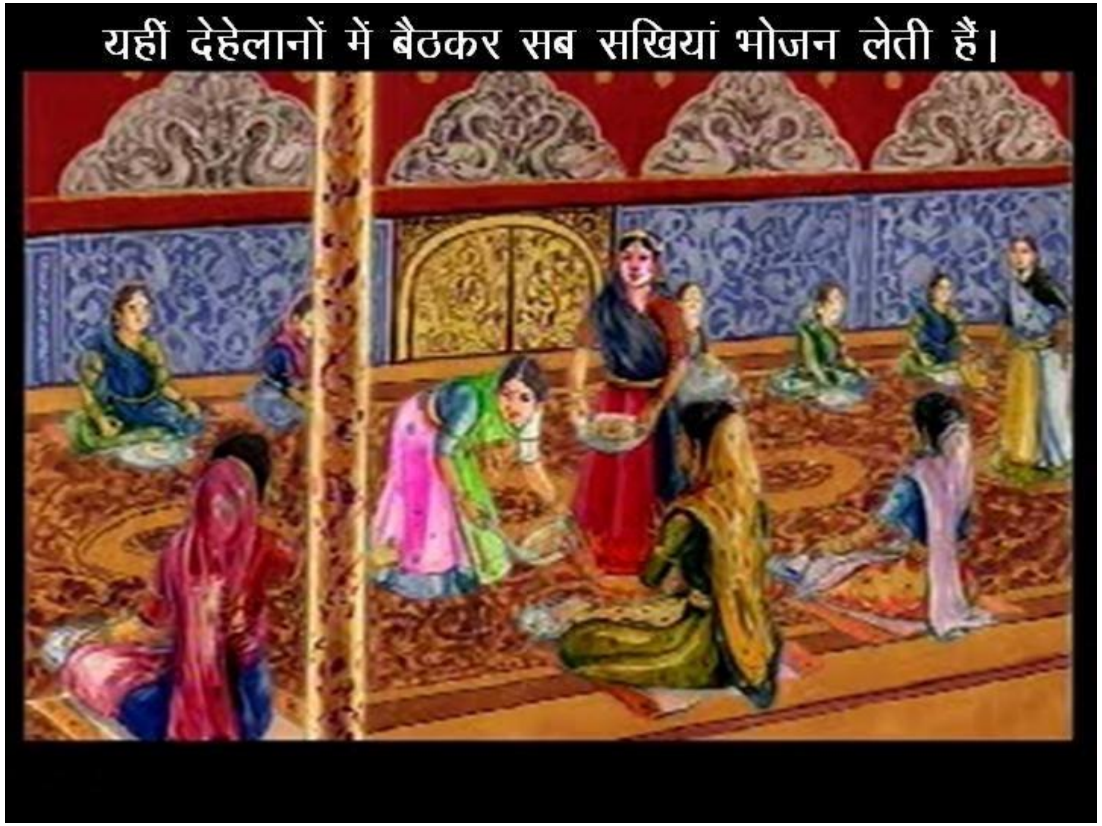

दोपोहर भोजन आरोंगन

पैठते बाँई तरफ दस, मंदिर सामे दस मंदिर ।
दस देहलान सामे देहलान द्वार, आओ मोमिन ताके अंदर ॥३१॥

रंगमहल पहेली भोम - प्रथम गोल हवेली मूलमिलवा

विडिओ: https://youtu.be/ZE-X6JpehjY

सुरता एकै राखिये , मूल मिलावे माहें ।
स्याम स्यामाजी साथजी , तले भोम बैठे हैं जाहें ।। सागर 7/3

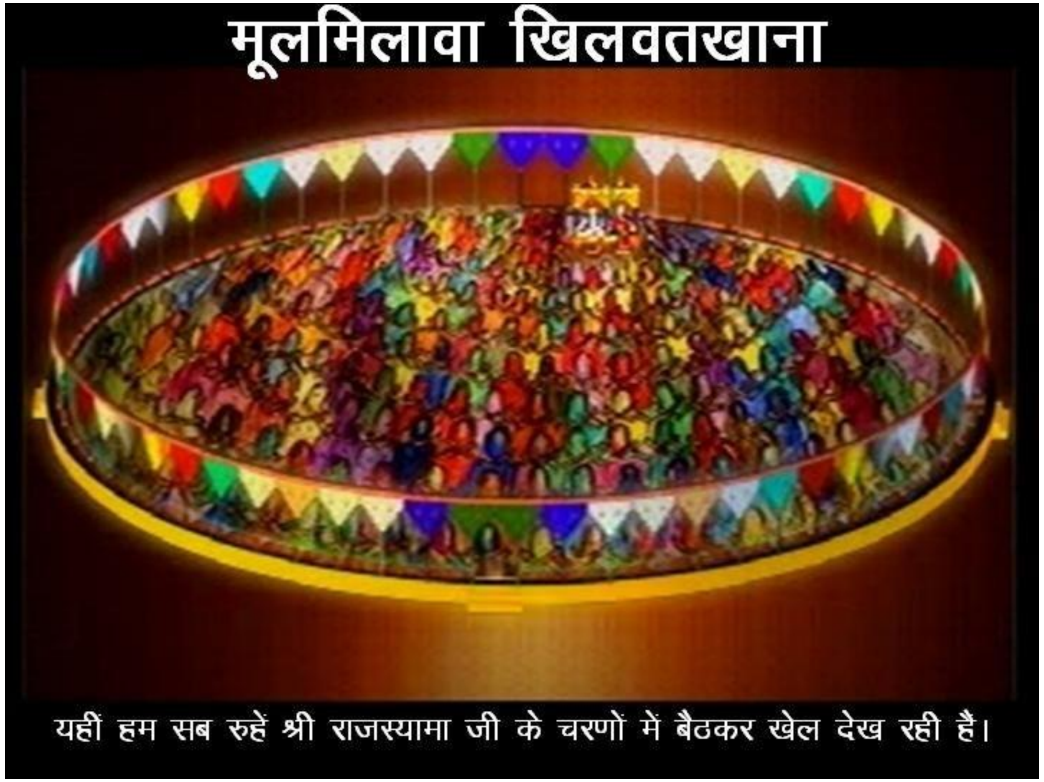

रंगमहल पहेली भोम – प्रथम गोल हवेली मूलमिलवा

विडिओ: https://youtu.be/ZE-X6JpehjY

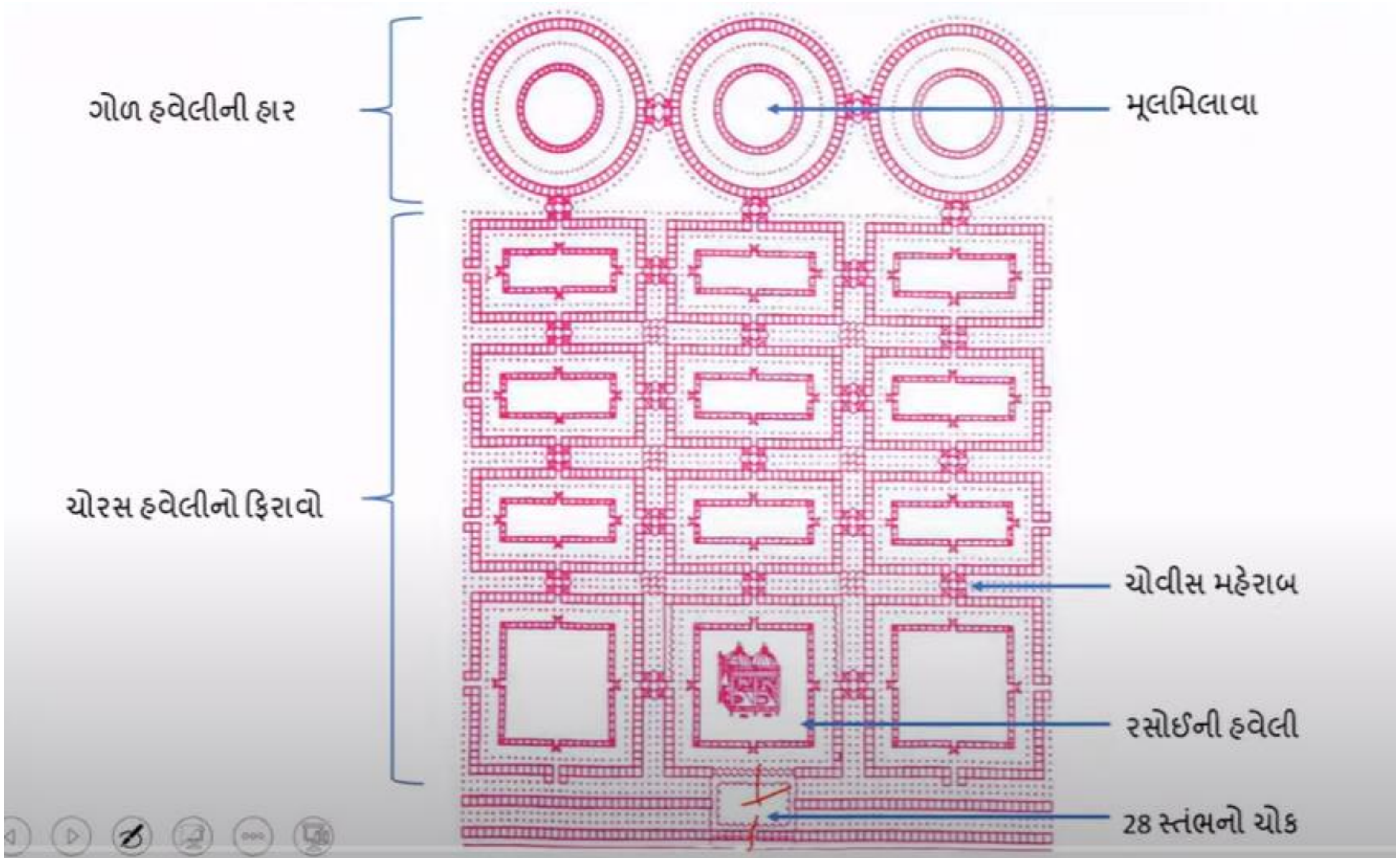

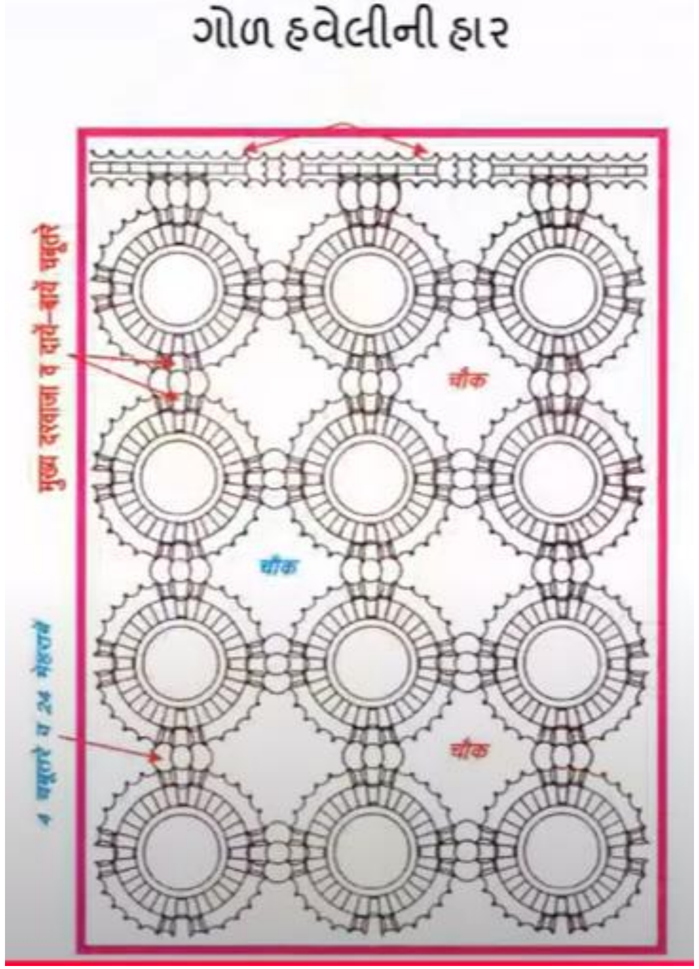

दूसरा चौक रसोई का, तीन आगे चौक और ।
छठा मूल मिलावे का, हक़ हादी रूहें बैठी जिन ठौर ।।३७।।

रंगमहल पहेली भोम - मूलमिलवा

विडिओ: https://youtu.be/ZE-X6JpehjY

एक स्वरूप होए बैठियाँ , माहें वस्तरों कई रंग ।
क्यों ए बरनन होवहीं , रंग रंग में कई तरंग ।। सागर 2/6
एक दूजी को अंक भर , लग रहियाँ अंगों अंग ।
दिल में खेल देखन का , है सबों अंगों उछरंग ।। सागर 2/12

जैसे सरूप रूहन के , चरनों लगे गिरदवाए ।
त्यों पुतलियाँ मोतियन की , कदमों रहीं लपटाए ।। सिनगार 18/61

थम्ब बारे भए इन विध, साम सामी एक एक।
यों बारे बने साम सामी, तरफ चारों इन विवेक॥ 15
हीरा लसनियां गोमदिक, मोती पांने परवाल।
हेम चांदी थम्ब नूरके, थम्ब कंचन अति लाल॥ 16
पिरोजा और कपूरिया, याके आठ थम्ब रंग दोए।

विडिओ: https://youtu.be/ZE-X6JpehjY

कहूँ चोसठ थम्बो का बेवरा, चार धात बारह नंग।
बने चारो तरफ जुदे जुदे, भये सोले जिनसों रंग॥ 7
चारो तरफ एक एक रंग के, तैसी तरफों चार ।
नए नए रंग एक दूजे संग, चारों तरफों चोसट सुमार॥ 8
ये चार नाम चार धात के, हेम कंचन चांदी नूर।
ये चार रंगों का बेवरा, लिए खड़े हुजुर॥ 9
और बारे जवेरो का बेवर, पाच पांने हीरे पुखराज।
मानिक मोती गोमदिक, रहे पिरोजे विराज॥ 10
नीलवी और लसनिया, और परवाली लाल।
और रंग कपूरिया, ए रंग बारे इन मिसाल ॥ 11
चार द्वार चार रंग के, आठ थम्ब भये जो इन ।
पाच मानिक और निलवी, द्वार पुखराज चोथा रोसन॥ 12
और थम्ब दोय पाच के, दोऊ तरफों निलवी संग।
द्वार निलवी संग दोए पाच के, करे साम सामी संग॥ 13

रंगमहल पहेली भोम - प्रथम गोल हवेली मूलमिलवा

विडिओ: https://youtu.be/ZE-X6JpehjY

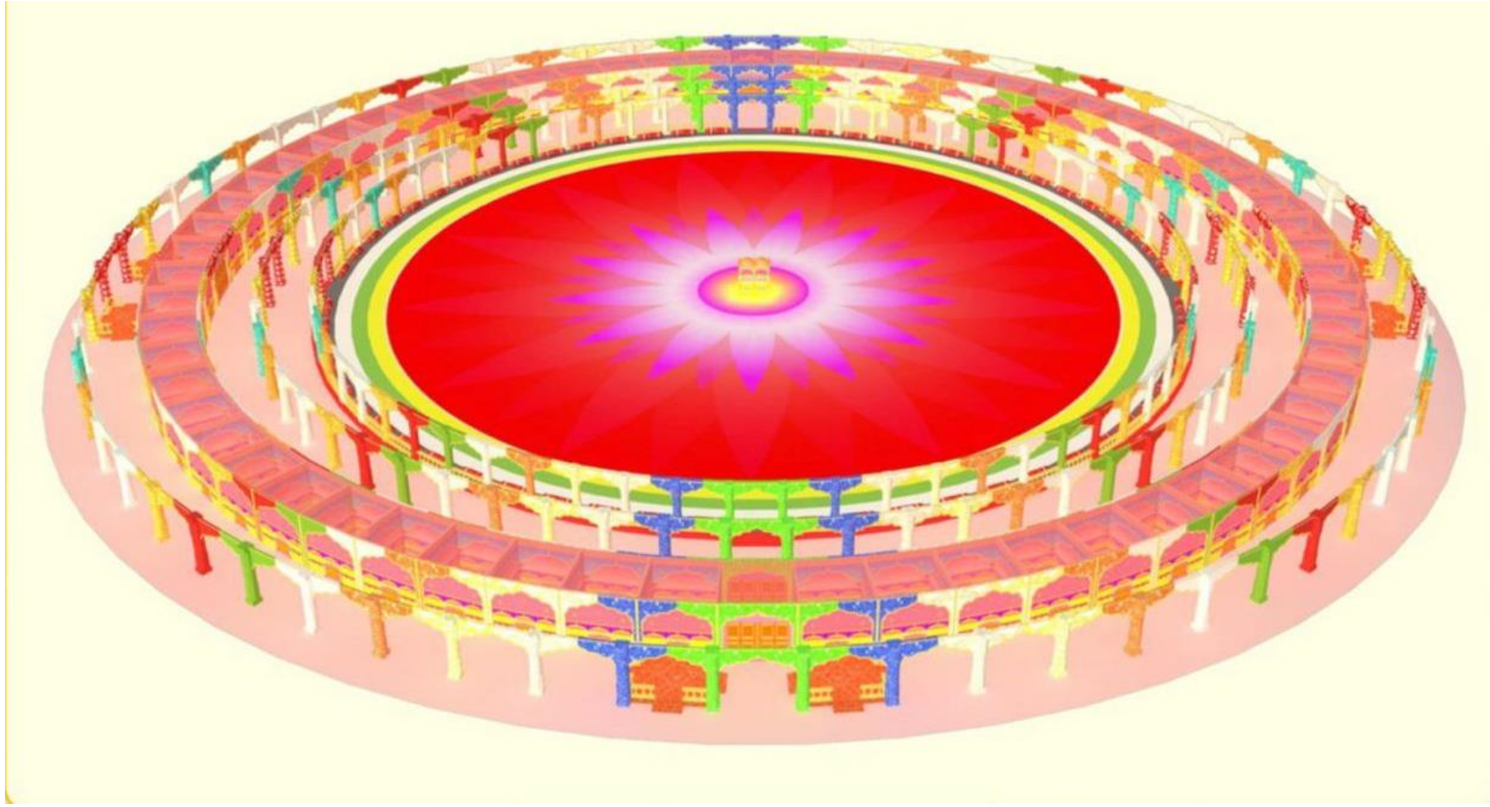

चारों तरफों चंद्रवा , चौसठ थंभों के बीच ।
जात कर सब जवरा , जंता तल दलीच ।। सागर 7/19

ऐ देत दिखाई रंग जवेर , नकस कटाव बेली जर ।
लगत नहीं हाथ को , रंग नंग धागा बराबर ।। सागर 5/56

रंगमहल पहेली भोम - प्रथम गोल हवेली मूलमिलवा थंभ की सोभा

विडिओ: https://youtu.be/ZE-X6JpehjY

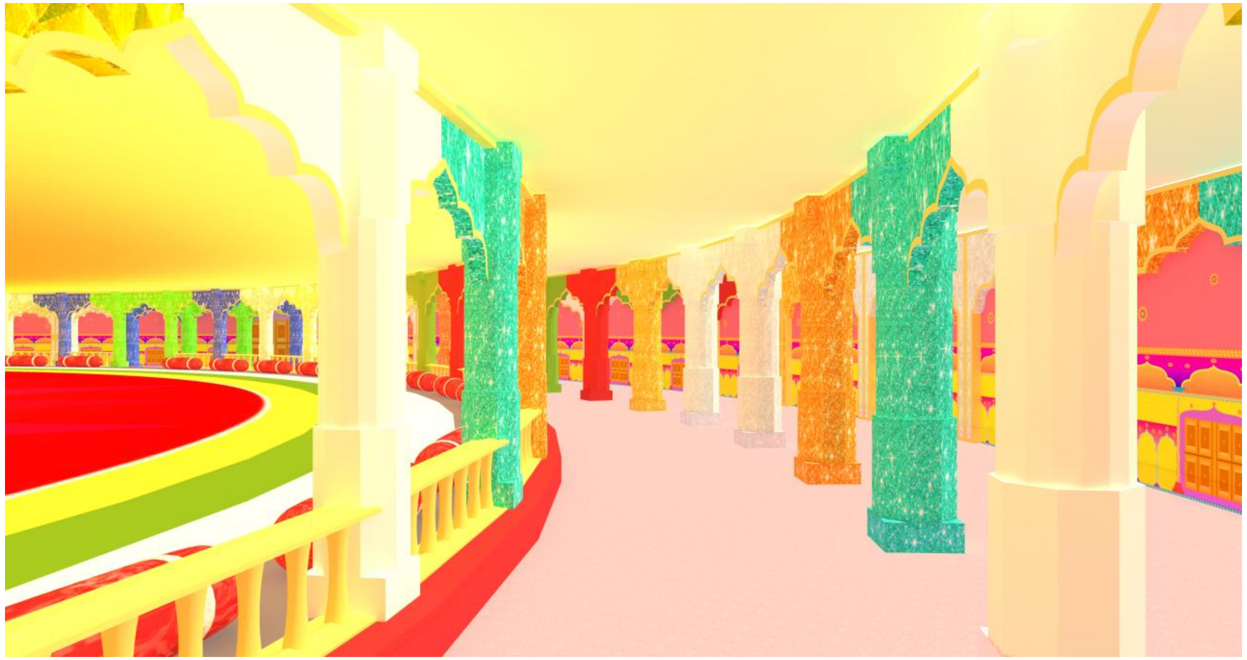

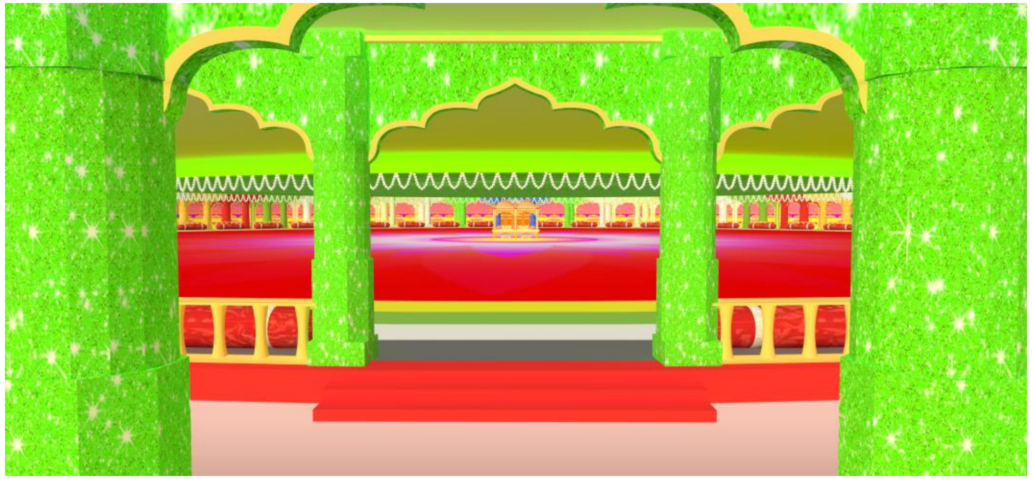

चार हांस तले थम्भ के, आठ ऊपर तिन ।
सोले बीच आठ तिन पर, चार ऊपर इन ।। 78 ।।

रंगमहल पहेली भोम - प्रथम गोल हवेली मूलमिलवा सिहासन की सोभा विडिओ: https://youtu.be/ZE-X6JpehjY

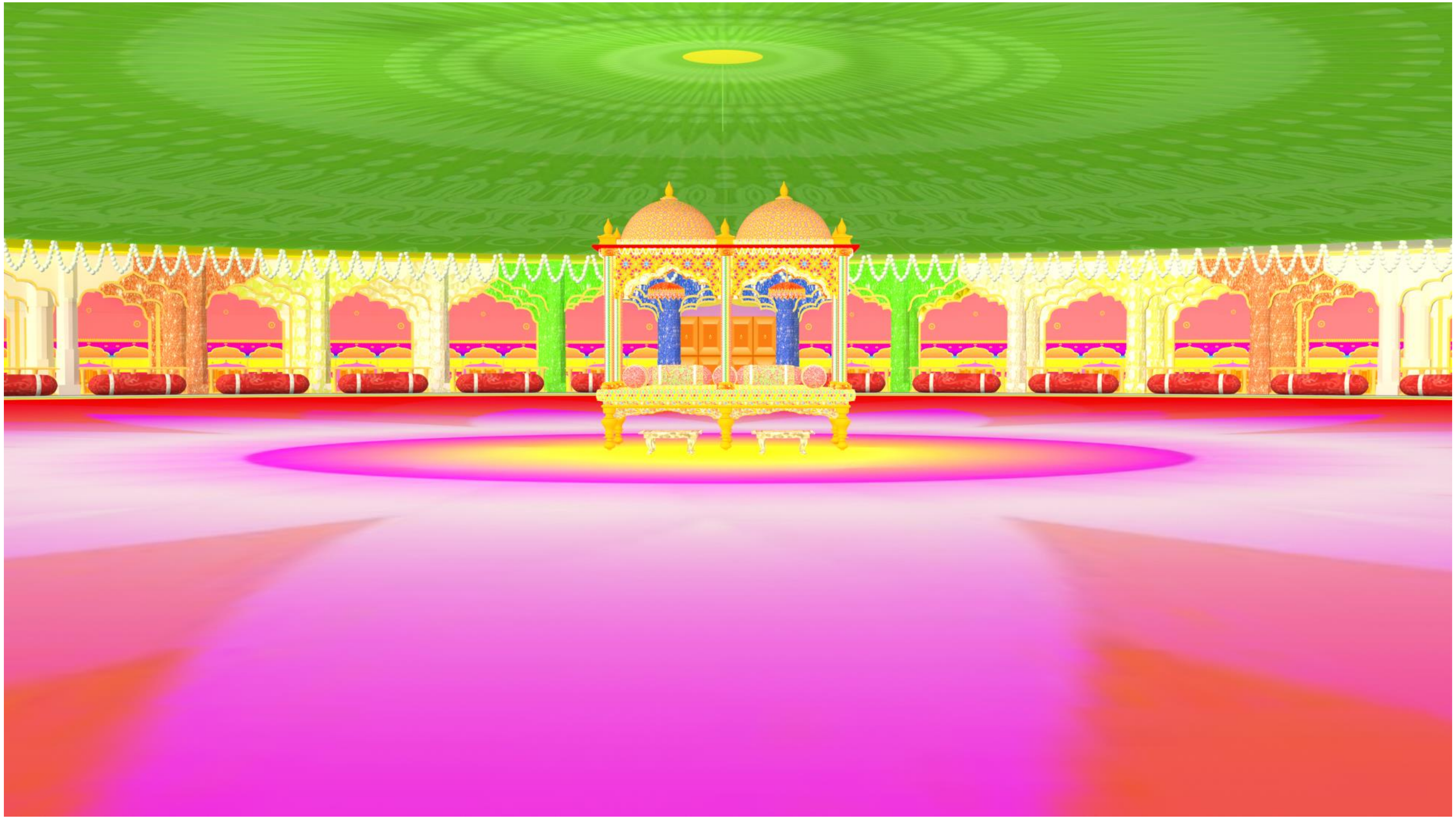

रंगमहल पहेली भोम - प्रथम गोल हवेली मूलमिलवा

विडिओ: https://youtu.be/ZE-X6JpehjY

रंगमहल पहेली भोम - मूलमिलवा राजजी & श्यामजी का श्रृंगार

विडिओ: https://youtu.be/V-OtMfGMcoQ

इन सिंहासन ऊपर, बैठे युगल किशोर ।
वस्तर भूखन सिनगार ,सुंदर जोत अति जोर ।। सागर 1/118

चारों चरन सुन्दर सुख दाई,
भूखन की सोभा मुख वरनी न जाई।।२।।
झांझरी घुंघरी कांबी कड़ला अलेखे,
अनवट विछुवा श्री श्यामाजी विसेखे।।३।।
नीलो है चरणिया केसरी इजार,
स्वेत दावन झाँई करे झलकार।।४।।
चोली स्याम जड़ाव साड़ी सेंदुरिया रंग राजे,
हैयड़े पर हार सोभा अधिक विराजे।।५।।
जरी जामा श्वेत जड़ाव अंग सोहे,
नीलो पीलो पटुका देखत मन मोहे।।६।।
जामे ऊपर चादर रंग आसमानी,
छेड़े किनार बेली जाय न बखानी।।७।।
जरी पाग सेंदुरिया जग मग जोत,
राखड़ी कलंगी कही जाय न उद्योत।।८।।
शब्दातीत पिया शोभा है अपार,
श्री महामति अंगना जाय बलिहार।।९।।

रंगमहल पहेली भोम - मूलमिलवा राजजी & श्यामजी का श्रृंगार

विडिओ: https://youtu.be/V-OtMfGMcoQ

श्री राजजी का श्रृंगार

श्री श्यामजी का श्रृंगार

रंगमहल पहेली भोम - मूलमिलवा

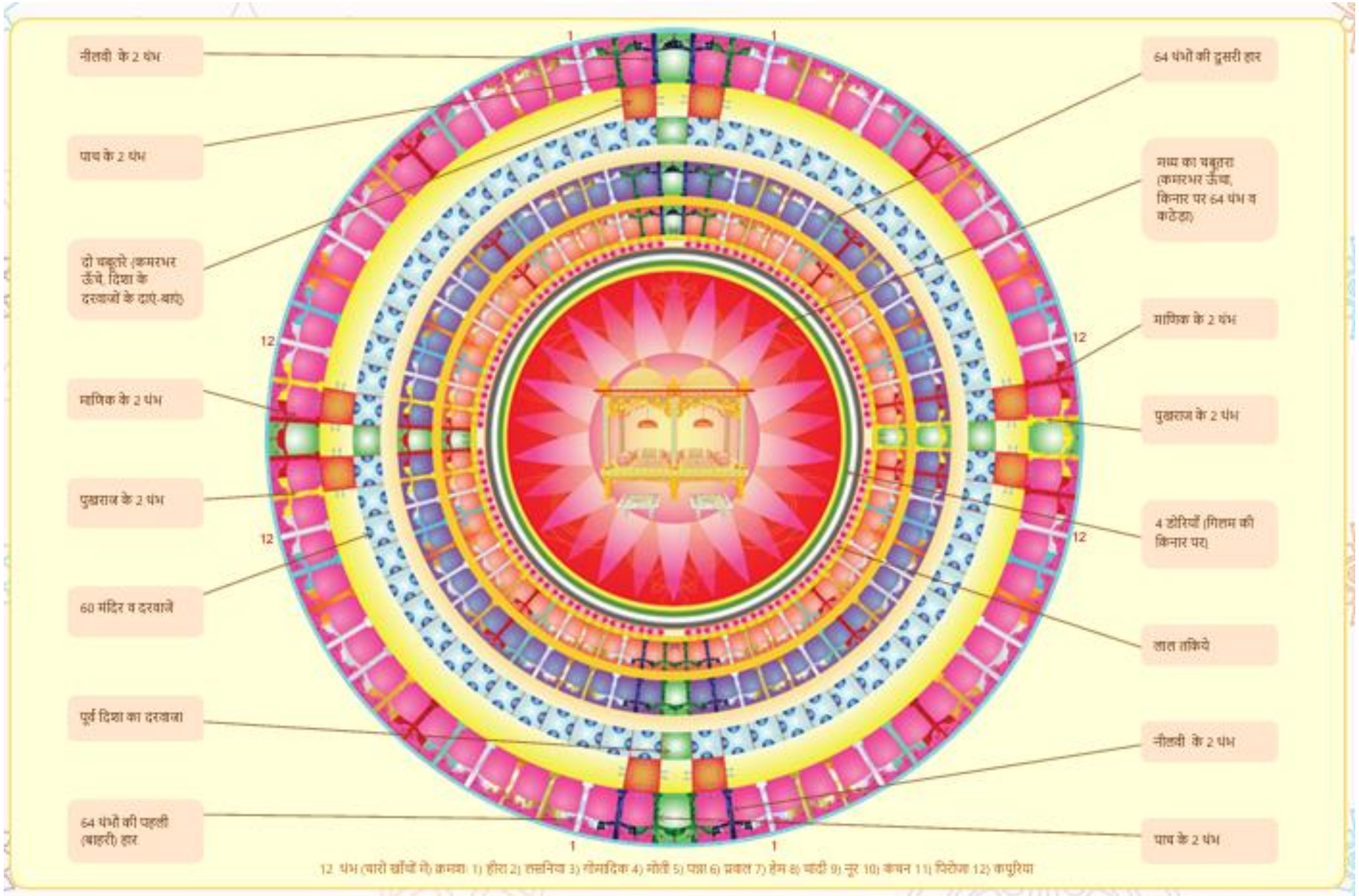

रंगमहल पहेली भोम

OR